समाचार–प्रकाशनार्थ :–

प्राचीन धरोहर को मिलेगा नया स्वरूप – विधायक चेतन्य काश्यप

अमृत सागर तालाब के सौंदर्यीकरण एवं विभिन्न निर्माण कार्यों का शुभारंभ

रतलाम 22 अप्रैल। श्री गढ़कैलाश मंदिर परिसर में नगर निगम द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विधायक रतलाम शहर माननीय श्री चेतन्य जी काश्यप ने 12.43 करोड़ रूपए से होने वाले अमृत सागर तालाब संरक्षण एवं प्रबंधन परियोजना अंतर्गत होने वाले सौंदर्यीकरण एवं विभिन्न निर्माण कार्यों का शुभारंभ किया। उन्होंने इस मौके पर कहा कि अमृत सागर तालाब ऐतिहासिक धरोहर है। सौंदर्यीकरण एवं निर्माण कार्यों से इसे नया स्वरूप मिलेगा।

माननीय श्री काश्यप ने श्री गढ़कैलाश मंदिर का मार्बल अथवा लाल पत्थर से नवनिर्माण करने का आह्वान भी किया। उन्होंने कहा कि वे इस कार्य में अपने परिवार की तरफ से हरसंभव सहयोग देंगे। वर्तमान में श्री बरबड़ हनुमान मंदिर का नवनिर्माण चल रहा है और श्री मेहंदीकुई बालाजी मंदिर का नवनिर्माण हो चुका है। इससे शहर की प्राचीन धरोहर को नया स्वरूप मिलेगा। श्री काश्यप ने कहा कि अमृत सागर तालाब के सौंदर्यीकरण का प्रस्ताव पूर्व में झील संरक्षण योजना के तहत बना था, लेकिन वह आगे नहीं बढ़ सका था। वर्ष 2014 में केन्द्र में भाजपा सरकार बनने पर तत्कालीन पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर से चर्चा कर इस प्रस्ताव को नए सिरे से बनाया गया। योजना की स्वीकृति पश्चात तालाब से जलकुम्भी हटाने का कार्य जारी है और अब तक 70 प्रतिशत जलकुम्भी हटाई जा चुकी है। यह प्रक्रिया अनुबंध के तहत 10 वर्ष चलेगी और तालाब को पूरी तरह जलकुम्भी से मुक्त किया जाएगा। इसके साथ ही तालाब के गहरीकरण का कार्य भी होगा। श्री काश्यप ने बताया कि तालाब से जुड़ा मार्ग सीटी रिंग रोड के रूप में फोरलेन बनेगा। तालाब में सौंदर्यीकरण एवं निर्माण कार्यों के बाद नौकायन भी आरंभ किया जाएगा।

कार्यक्रम के आरंभ में निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया ने योजना की जानकारी देते हुए बताया कि अमृत सागर तालाब संरक्षण एवं प्रबंधन परियोजना के अन्तर्गत 1.105 करोड़ से तालाब की स्टोन पिचिंग एवं गेबियन वॉल निर्माण, 48.56 लाख की लागत से बोहरा बाखल नाला डायवर्जन, 2.239 करोड़ की लागत से कंसट्रक्टेड वेटलैंड, 2.37 करोड़ से पेरेफेरल सेनिटेशन एवं वाटर सप्लाई, 2 नग टायलेट ब्लॉक, इलेक्ट्रीक कनेक्शन, सीसीटीवी कनेक्शन, सब स्टेशन आदि, 1.462 करोड़ से तालाब के चारो ओर बॉउण्ड्रीवॉल का निर्माण, 4.41 करोड़ से एंटरेंस गेटवे, पेरेफेरल रोड, फुटपाथ, पार्किंग एरिया, दुकानें, गजिबों, साईट डेवलपमेंट रेस्ड गार्डन, आरसीसी रिटेनिंग वॉल, 35.60 लाख से नागरिक जागरूकता संबंधी गतिविधियां, वॉच टॉवर एवं एडमिन ऑफिस निर्माण होगा। इस तरह कुल 12.43 करोड़ रू. की राशि व्यय की जाएगी।

प्रारंभ में विधायक चेतन्य काश्यप, भाजपा जिला महामंत्री प्रदीप उपाध्याय, निर्मल कटारिया, क्षेत्रीय पार्षद प्रतिनिधि राकेश मीणा, गढ़ कैलाश सेवा समिति के सतीश राठौर आदि का स्वागत निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया, कन्सलटेंट परेश, रिमझिम व ठेकेदार गुरजीत सिंह ने पुष्पहार व पुष्पगुच्छ से किया।

इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष कन्हैयालाल मौर्य, बजरंग पुरोहित, पूर्व महापौर शैलेन्द्र डागा, पूर्व जिला महामंत्री मनोहर पोरवाल, जिला कोषाध्यक्ष जयवंत कोठारी, जिला मीडिया प्रभारी अरूण राव, सहप्रभारी अरूण त्रिपाठी, जिला मंत्री सोना शर्मा, महिला मोर्चा प्रदेश

सदस्य अनिता कटारिया, मंडल अध्यक्ष कृष्ण कुमार सोनी, आदित्य डागा, मयुर पुरोहित, पूर्व महापौर परिषद सदस्य भगतसिंह भदौरिया, मंगल लोढ़ा, पूर्व पार्षद प्रहलाद पटेल, सुशील सिलावट, सुदीप पटेल, अनिता कटारा सहित जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, निगम अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। संचालन मण्डल अयध्क्ष कृष्ण कुमार सोनी ने किया व आभार क्षेत्रीय पूर्व पार्षद प्रतिनिधि राकेश मीणा ने माना।

शहर की धरती पर लहराएगें हरियाली की चादर

52 वें विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर नगर निगम ने लायंस हाल स्थित नवनिर्मित बगीचे में किया 52 औषधीय पौधों का रोपण

रतलाम 22 अप्रैल । नगर निगम आयुक्त श्री सोमनाथ झारिया ने कहा है कि नगर निगम शहर को क्लीन और ग्रीन सिटी के रुप में विकसित करने के लिए तेजी से काम कर रही है। जनता के सहयोग से जहां एक और शहर को स्वच्छ बनाने के प्रयास तेजी से जारी है वही शहर के बगीचों में औषधीय पाधों का रोपण कर हरियाली भी विकसित की जा रही है।

निगम आयुक्त श्री झारिया शुक्रवार को 52 वे विश्व पृथ्वी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होने आज लांयस हाल के पीछे नवनिर्मित बगीचे में 52 औषधीय पौधो का रोपण किया। इस मौके पर पर्यावरणविद् श्री खुशालसिंह पुरोहित विशेष रुप से उपस्थित रहे।

श्री झारिया ने इस मौके पर कहा कि हमारा पहला संकल्प अपनी पृथ्वी को बचाने का लिया जाना चाहिए। हमारी पृथ्वी हरियाली को बढ़ाकर और भूगर्भ जल स्तर को बढ़ाने से ही बेहतर होगी। प्राकृतिक तरीके से पौधे बचेंगे। उन्होने कहां कि रतलाम शहर के 101 बगीचों को हर्बल गार्डन के रुप में विकसित किया गया है।

यहां पर्यावरणविद् श्री खुशालसिंह पुरोहित ने कहां कि पौधों की सुरक्षा का जिम्मा अब नागरिकों को भी लेना चाहिए। आज रोपे गए ये नन्हे पौधे जब पूर्ण रुप से विकसित होगे तो इसका लाभ पूरे शहर को मिलेगा।

श्री पुरोहित ने बताया कि अर्थ डे को मनाने की शुरुआत 1970 में हुई थी. सबसे पहले अमेरिकी सीनेटर गेलॉर्ड नेल्सन ने पर्यावरण की शिक्षा के तौर पर इस दिन की शुरुआत की थी। उन्होने कहां कि पृथ्वी दिवस के बारे में तो आप सभी ने सुना ही होगा जिसका उद्देश्य है, पृथ्वी और पर्यावरण को बचाना. अक्सर हम सभी कहते हैं कि ये धरती हमारी माँ है. लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि हम अपनी ही माँ का ध्यान नहीं रख रहे हैं. ध्यान तो छोड़िए, हम तो इसे अपवित्र ही कर रहे हैं, कभी प्रदूषण के माध्यम से, कभी इसके साथ छेड़छाड़ करके. पृथ्वी के महत्व को समझते हुए और इसके संरक्षण के लिए पूरे विश्व के लोगों ने एक दिन का चुनाव किया जिसे अब विश्व पृथ्वी दिवस के नाम से जाना जाता है।

52 औषधीय पौधो का रोपण किया गया

विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान 52 प्रकार के औषधीय पौधे जैसे पपीता, गुडहल, सदाबहार, पत्थर चट्टा, कंरज, शीशम, पीपल,तुलसी,जामुन, सीताफल, बैलपत्र, मीठा नीम, बहेड़ा, आम, अमरुद, अशोक आदि का रोपण निगम आयुक्त, पर्यावरणविद् और लायंस क्लब के पदाधिकारियों व निगम अधिकारियों ने किया।

इस अवसर पर विश्व पृथ्वी दिवस पर आयोजित समारोह में उद्यान प्रभारी रामबाबू शर्मा, निगम अधिकारी जीके जायसवाल, हनीफ शेख, सुहास पंडित, भय्यालाल चौधरी, अनिल पारा लायंस क्लब अध्यक्ष डॉ.अमर सारस्वत, सचिव राजेश भार्गव, प्रकाश मिश्रा, श्री अग्रवाल, सुनील जैन, मयूर व्यास आदि उपस्थित रहे।

समाचार/ज.सं.वि./हेमन्त/22.04.2022/न.पा.निगम, रतलाम.